भारत सरकार

भारत मौसम विज्ञान विभाग,

कृषिसलाहकार एकक,प्रादेशिक मौसम पूर्वानुमान केंद्र नई दिल्ली -03

साल-25, क्रमांक:- 41/2018-19/शुक्र. समय: अपराह्न 2.30 बजे दिनांक: 25-05-2018

बीते सप्ताह का मौसम (19 से 25 मई 2018)

सप्ताह के दौरान आसमान साफ रहा। दिन का अधिकतम तापमान 39.5 से 43.0 डिग्री सेल्सियस (साप्ताहिक सामान्य 39.1 डिग्री सेल्सियस) तथा न्यूनतम तापमान 19.9 से 27.4 डिग्री सेल्सियस (साप्ताहिक सामान्य 24.7 डिग्री सेल्सियस) रहा। इस दौरान पूर्वाह्न 7.21 को सापेक्षिक आर्द्रता 48 से 72 तथा दोपहर बाद अपराह्न 2.21 को 23 से 29 प्रतिशत दर्ज की गई। सप्ताह के दौरान दिन में औसत 8.1 घंटे प्रति दिन (साप्ताहिक सामान्य 7.7 घंटे) धूप खिली रही। हवा की औसत गति 4.2 कि.मी .प्रति घंटा (साप्ताहिक सामान्य 6.6 कि.मी .प्रति घंटा) तथा वाष्पीकरण की औसत दर 6.8 मि.मी. (साप्ताहिक सामान्य 10.0 मि.मी) प्रति दिन रही। सप्ताह के दौरान पूर्वाह्न को हवा अधिकतर शांत रही तथा अपराह्न को उत्तर-पश्चिम दिशाओं से रही।

भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, लोदी रोड़, नई दिल्ली से प्राप्त मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व/दिनांक	26-05-18	27-05-18	28-05-18	29-05-18	30-05-18
वर्षा (मि.मी.)	0.0	0.0	0.0	1.0	2.0
अधिकतम तापमान {°सेल्सियस}	45	46	44	44	42
न्यूनतम तापमान {° सेल्सियस}	25	25	24	26	27
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	2	2	3	4	5
सापेक्षिक आर्द्रता(प्रतिशत) अधिकतम	60	60	55	65	70
सापेक्षिक आर्द्रता(प्रतिशत) न्यूनतम	15	15	10	20	25
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	10	10	10	10	15
हवा की दिशा	पश्चिम	पश्चि-उत्तर-पश्चिम	पूर्व	पूर्व-दक्षिण-पूर्व	दक्षिण-दक्षिण-पूर्व
विशेष मौसम	दिल्ली एनसीआर में 29 मई 2018 को हल्की वर्षा/ मेघगर्जन व धूल भरी आंधी के साथ तेज हवायें चलने की सम्भावना है । दिल्ली एनसीआर में 30 मई 2018 को हल्की वर्षा/ गर्जन के साथ बौछर पड़ने की सम्भावना है। 26 एवम् 27 मई 2018 को ताप लहर चलेगी।				

साप्ताहिक मौसम पर आधारित कृषि सम्बंधी सलाह 30 मई, 2018 तक के लिए

कृषि परामर्श सेवाओं, कृषि भौतिकी संभाग के कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार किसानों को निम्न कृषि कार्य करने की सलाह दी जाती है।

1. आने वाले दिनों में लू (गर्म हवा) तथा तापमान बढने की संभावना को ध्यान में रखते हुए सब्जियों, सब्जियों की नर्सरी, जायद फसलों तथा फलों के बगीचों में हल्की सिंचाई नियमित अंतराल पर करें। नर्सरी व वृक्षों को लू से बचाने हेतू अवरोधकों के उपयोग की सलाह दी जाती है।
2. यह समय हरी मिर्च और बैंगन की पौध बनाने के लिए उपयुक्त है, अतः किसान यह प्रयास करें कि वे कीट अवरोधी नाईलोन की जाली का प्रयोग करें ताकि रोग फैलाने वाले कीट से पौधो को बचा सकें।
3. यह मौसम अगेती फूलगोभी की पौधशाला बनाने के लिए उपयुक्त है। किसानों को सलाह है कि वे तैयार पौधशाला को कम मोटाई वाली प्लास्टिक (20-30 माइक्रोन) से ढककर सूर्य तापीकरण करें। इस प्रक्रिया से

जमीन में रहने वाले जीवाणु, जो पौधे में रोग के कारण होते है वे नष्ट हो जाते है। बीजों को केप्टान 2.0 ग्राम/किग्रा बीज की दर से उपचारित करके पौधशाला में बुवाई करें।

4. कपास की बुवाई इस सप्ताह कर सकते है। बीज किसी प्रमाणित स्रोत से ही खरीदें। उप्यूक्त किस्में:- एच-777, एच-974, एच-1098.
5. अरहर की बुवाई के लिए खेत की तैयारी करें। बीज किसी प्रमाणित स्रोत से ही खरीदें। किसानों को सलाह है कि वे बीजों को बोने से पहले अरहर के लिए उपयुक्त राईजोबियम तथा फास्फोरस में घुलनशील बेक्टीरिया से अवश्य उपचार कर लें इस उपचार से बीजो के अंकुरण तथा उत्पादन में वृद्धि होती है। अरहर की उन्नत किस्में**:-** पूसा-2001, पूसा- 991,पूसा- 992, पारस मानक, UPAS 120.
6. रबी फसल की कटाई के बाद खाली खेतो की गहरी जुताई कर जमीन को खुला छोड़ दें ताकि सूर्य की तेज धूप से गर्म होने के कारण इसमें छिपे कीडों के अण्डें तथा घास के बीज नष्ट हो जायेंगे।
7. इस मौसम में बेलवाली फसलों में न्यूनतम नमी बनाएं रखें अन्यथा मृदा में कम नमी होने से पुष्पन एंव परागण पर असर हो सकता है जिससे फसल उत्पादन में कमी आ सकती है।
8. मिर्च के खेत में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दें। उसके उपरांत इमिडाक्लोप्रिड @ 0.3 मि.ली./लीटर की दर से छिड़काव करें। आवश्यकतानुसार फसल में कम अंतराल में सिंचाई करें।
9. भिंडी की फसल में तुड़ाई के बाद यूरिया @ 5-10 किलो प्रति एकड़ की दर से डाले तथा उसके उपरांत सिंचाई करें। साथ ही तापमान को ध्यान में रखते हुए माईट, जैसिड और होपर की निरंतर निगरानी करते रहें। इस मौसम में भिंडी की फसल में हल्की सिंचाई कम अंतराल पर करें।
10. तापमान अधिक रहने की संभावना को देखते हुए ,किसान तैयार सब्जियों की तुड़ाई सुबह या शाम को करें तथा इसके बाद इसे छायादार स्थान में रखें।
11. इस मौसम में किसान अपनी मिट्टी की जांच किसी प्रमाणित स्रोत से करवाएं और जहाँ संभव हो अपने खेत को समतल करवाएं।

कृषि सलाहकार एककदिल्ली तथा कृषिविभाग दिल्ली **वैज्ञानिक 'डी'**

द्वारा संयुक्त रूप से जारी किया गया ।

ई -मेल : 1. उपमहानिदेशक (कृषि)पुणे ।

2. कृषिएवं गृह एकक आकाशवाणी कमरा न॰ 610 फैक्स न॰ 23710106 ।

3. कृषिदर्शन मण्डी हाऊस कमरा न॰ 801 फैक्स न॰ 23097571 ।